डायमण्ड कॉमिक्स
413 5.00
महाबली शाका और
तोप का कमाल
Sagar Rana & Shiv's Scan

महाबली शाका और तोप का कमाल

'महाबली शाका'– कोसिमा के बीहड़ों का बेताज़ बादशाह. वहां के मूल निवासियों का नागपुत्र– देवता पुत्र! उनका रक्षक! साहस, सूझबूझ और शूरवीरता की अनोखी मिसाल!

कोसिमा का बीहड़ इन दिनों शान्त था. कहीं किसी तरह का कोई उत्पात नहीं- हंगामा नहीं! चारों तरफ शान्ति– लेकिन शाका की परेशानी बढ़ती जा रही थी. कभी भी और किसी से भी न हारने वाला महाबली शाका, किसी अंजानी मुसीबत का शिकार होता जा रहा था. किसी को भी पता नहीं था कि महाबली शाका परेशान क्यों है-?

आज एक सप्ताह से निरंतर उसे रोज रात को सपना आता. सपने में धुएं का एक बादल बनता और उसमें एक विकराल पुरुष प्रकट होता. वह अपनी तलवार के एक ही शक्तिशाली वार से 'महाबली शाका' का सिर धड़ से अलग कर देता, एक भयानक चीख के साथ शाका बिस्तर से उठकर बैठ जाता! शाका इसी बात पर परेशान था कि यह स्वप्न रोज़ उसे क्यों आता है? फिर उसने एक निश्चय किया?

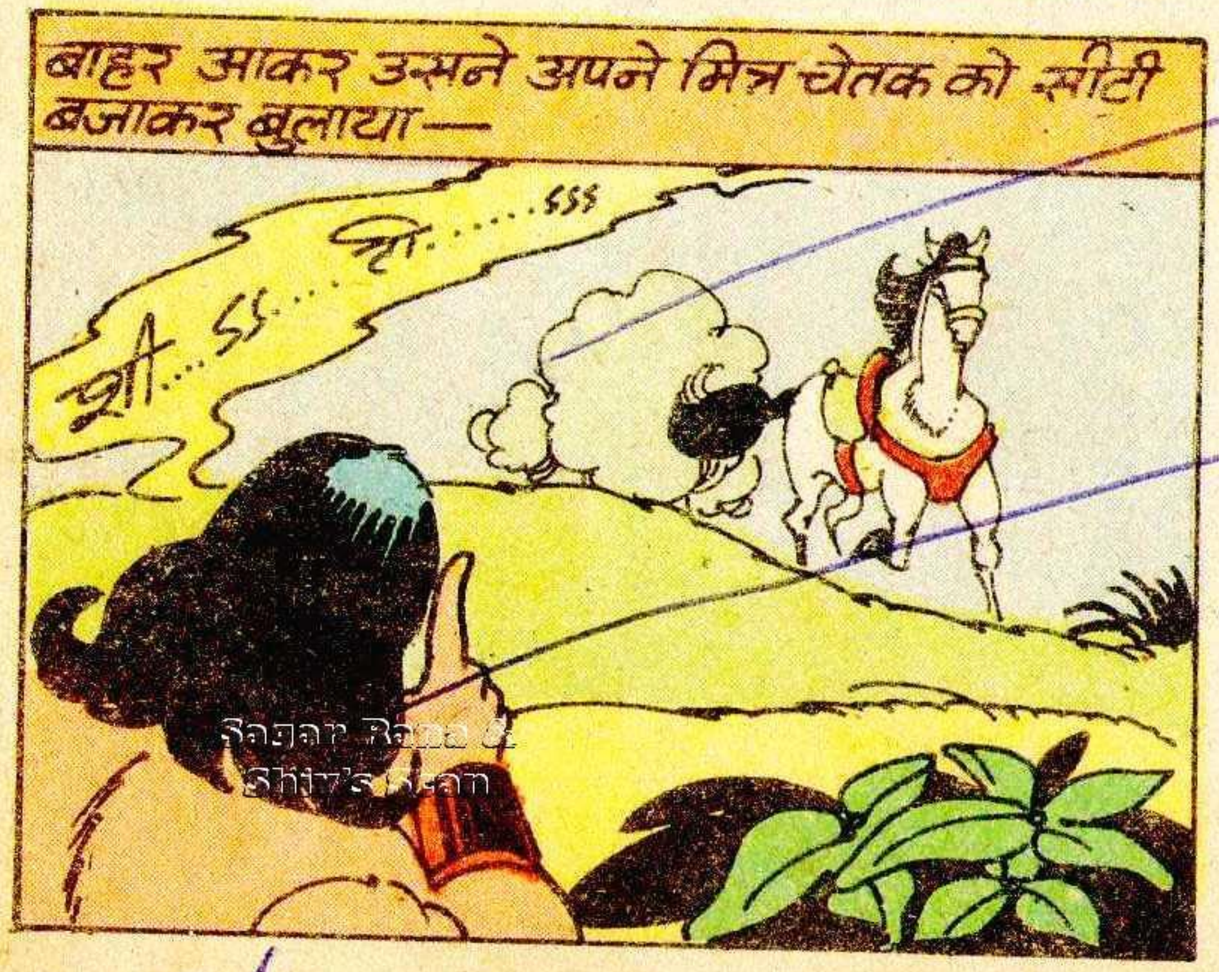

तभी दूर रास्ते पर जमीन से काफी ऊंचाई पर धमाका हुआ—
यह धमाका कैसा ?
धड़ाम!
यह धुआं तेजी से मेरी ही तरफ क्यों आ रहा है ?
धुआं तेजी से शाका की ओर उड़ने लगा—
धुआं जैसे-जैसे शाका की तरफ उड़ता हुआ आ रहा था उसमें बिजलियां कौंधती जा रही थीं.
आखिर यह कैसा करिश्मा है!
धुएं के बीच कड़कती बिजलियों के साथ-साथ एक खूंखार आदमी का चेहरा भी दिखाई देने लगा—
अरे! यह तो वही खूंखार आदमी है, जो मुझे स्वप्न में दिखाई देता है!
चमकती हुई बिजलियों की गड़गड़ाहट के बीच वह आदमी बोला—
शाका तेरा खेल खत्म हो गया है. अब तुझे इस दुनिया से कूच करना होगा... आ... हा... हा... हा...!

कभी सपने भी सच हुए हैं? फिर यह सब मैं क्या देख रहा हूं...?

भविष्यवाणी करते उस वीभत्स और विकराल आदमी के हाथ में चमचमाती हुई लंबी तलवार आ गई—

मुझे कुछ करना होगा!

आ...हा... हा... हा...! देवता पुत्र, अब तुम्हें अपने पूर्वजों की कतार में जाकर खड़ा होना होगा! आ-हा-हा-हा-!

वीभत्स आदमी ने चमचमाती लम्बी तलवार शाका की ओर घुमा दी—

आह! ऽऽऽऽऽ

जमीन पर गिरते ही शाका के हाथ का रिवॉल्वर शोले उगलने लगा—

धाँय!

धाँय

धाँय

तभी चेतक जोरों से हिनहिनाया और एक ओर को भाग खड़ा हुआ—

इसे क्या हुआ?

साथ ही वह दृश्य गायब हो गया. अब न तो वहां धुएं का बादल था, न ही वह वीभत्स और खूंखार आदमी.

वह खूंखार आदमी गायब हो गया...

चेतक अवश्य ही किसी मतलब से भागा है!

चेतक तीर की तरह भागने लगा—

शाका एक ऊंची जगह पर पहुंचकर खड़ा हो गया और दूर... बहुत दूर चेतक को भागकर जाते हुए देखने लगा—

चेतक आखिर जा कहां रहा है? मुझे इसके पीछे जाना ही होगा!

जीप में बैठे जंगलियों में से एक ने पीछे आते चेतक को देखते हुए कहा—

और तेज... समझ में नहीं आता उसने हमें देख कैसे लिया?

चेतक एक निश्चित जगह पहुंचकर खड़ा हो गया—

अपराधियों का दल कहां गायब हो गया?

शाका उछलता हुआ चेतक के पास पहुंच गया. वह शाका को देखते ही हिनहिनाने लगा—

समझ गया दोस्त... लेकिन वह गए कहां?

हिनहिन...

हारकर शाका, चेतक पर बैठकर वापस हुआ—

वह अपराधी मेरे ऊपर मौत का मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालकर मेरा मनोबल तोड़ना चाहते हैं-लेकिन क्यों?

शाका वापस अपनी गुफा में पहुंचा और गंभीरता से विचार करने लगा —
जिस जगह चेतक को उन्होंने चकमा दिया है- मुझे उसी जगह नज़र रखनी चाहिए!
शाका ने बिना देर किए टी॰ वी॰ ऑन किया और विशेष यंत्र का बटन जैसे ही उसने दबाया, आकाश में एक गुब्बारा नजर आने लगा, जिसके सिर पर एरियल निकला हुआ था और सिर पर सितारा चमक रहा था —
यह मेरा सीक्रेट एजेंट मुझे एक-एक खबर देगा।
शाका ने विशेष गुब्बारे को संचालित कर उसी जगह पहुंचा दिया जिस जगह चेतक चकमा खा गया था. शाका उसे आर्डर देने लगा —
दोस्त इन्फार्मर, यहां का विशेष ख्याल रखना... ओवर!
इन्फार्मर ने शाका को जवाब दिया-
फादर, यदि आपके विरुद्ध वह कुछ कर रहे हों तो क्या उन्हें खत्म कर दिया जाए?
नहीं... इन्फार्मर, तुम सिर्फ मुझे खबर दोगे!
अज्ञात स्थान पर अंडर ग्राउन्ड खुफिया अड्डे के एक कक्ष में टी॰ वी॰ स्क्रीन पर देखते हुए वह बुदबुदा उठा-
ओह गॉड... यह मुसीबत क्या है? मुझे सभी को सावधान कर देना चाहिए!
ऑपरेटर बाहर की ओर भागा—
यदि यह मुसीबत शाका की ओर से पैदा की गई है तो हम मौत के मुंह में पहुंच गए हैं।

खुफिया अड्डे के लम्बे-चौड़े अन्डर ग्राउन्ड कक्ष में मौजूद अपराधियों का खूंख्वार दल ऑपरेटर को बदहवासी में डूबा देखकर भयभीत हो उठा. ऑपरेटर ने खबर दी—
साथियों... शाका की ओर से एक शक्तिशाली सीक्रेट इन्फार्मर, हम पर नज़र रखने के लिये छोड़ दिया गया है. हमें चौकस रहना है.
ऑपरेटर अपने कक्ष में जैसे ही वापस पहुंचा, उसे गुप्त संकेत मिला और वह पॉकेट ट्रांसमीटर पर बात करने लगा—
सारी गतिविधियां बंद कर दो... कोई भी बाहर न निकले. ओवर!
ओ० के० कमांडर, ओवर!
पीं..पीं...
इन्फार्मर ने जब किसी तरह की खबर नहीं दी तो शाका ने अपने प्रिय दोस्त काले नाग को अपने साथ लिया और वह एक बार फिर निकल पड़ा—
मुझे भी अपने ढंग से उस स्थान का निरीक्षण करना चाहिए!
शाका एक निश्चित स्थान पर चेतक से उतर पड़ा—
दोस्त... तुम यहीं मेरी प्रतीक्षा करो!
वह सावधानी के साथ आगे बढ़ने लगा—
यहां किसी न किसी तरह का चक्कर अवश्य है!
वह कुछ आगे जाकर झाड़ियों की ओट से देखने लगा—
संभव है, मुझे यहां घण्टों प्रतीक्षा करनी पड़े!

महाबली शाका ने छुपने के बाद अपनी आंखों को तेजी से फैलाना-सिकोड़ना शुरू किया और कुछ ही क्षणों में उसकी आंखों की पुतलियां हीरे की तरह चमकने लगीं.

अब मैं उस स्थान से काफी दूर होते हुए भी साफ़-साफ़ देख सकता हूं !

शाका की घूरती नजरें एक मोटे तने के पेड़ पर पहुंचकर स्थिर हो गईं—

चारों तरफ मौत की खामोशी है !

हां, कहीं कुछ भी नहीं है !

पेड़ के चौड़े तने में दो बड़े छेदों में से झांकती दो खौफ़नाक सूरतों को देखकर शाका खूंखार हो उठा—

मेरा शक सही निकला !

लेकिन शाका कुछ आगे जाकर ही भ्रमित हो गया—

मैं यहां कहां आ गया ? कहां गया वह मोटे तने वाला पुराना पेड़ ?

कब तक वह वहां ठगा-सा खड़ा रहता ? सावधानी के साथ वापस हुआ. पर वह वापस होते हुए चौंका—

यहां यह गंध कैसी है...?

अंडर ग्राउन्ड अड्डे के एकान्त कमरे में—

अक्लमंदी इसी में है मैं इस अड्डे को छोड़-कर दूसरी जगह चला जाऊं !

गंध इतनी तेज थी कि महाबली शाका की खोपड़ी घूम गई. वह लड़खड़ाने लगा—

इसका मतलब है, यहां जबर्दस्त चालाकी दिखाई जा रही है

अज्ञात स्थान के अंडर ग्राउन्ड कमरे में टी॰वी॰ स्क्रीन पर देखता वह व्यक्ति शाका को वापस होते देखकर अट्टहास लगाने लगा—

आ-हा-हा-हा-! इसे अब की बार ठिकाने लगा दिया जाएगा!

अज्ञात व्यक्ति उठा और पागलों की तरह बुदबुदा उठा—

एक बार मेरे आदमी चूक सकते हैं-बार-बार नहीं!

वह लम्बे कदमों से चलते हुए हॉल में पहुंचा. वहां गिरोह के लोग बैठे थे. जैसे ही उन्होंने देखा-वह गर्दन झुकाकर खड़े हो गए—

तुम लोग फौरन यहां से दो नंबर अड्डे पर पहुंच जाओ!

ओ॰के॰ बॉस!

बॉस वापस हुआ तो सभी डर से कांप उठे.

समझ में नहीं आता, हमारा बॉस है कौन?

इसके सामने आते ही हमारी रूह फना क्यों हो जाती है?

बॉस अपने कक्ष की ओर बढ़ते हुए सोचने लगा—

अब उसकी खबर लूं, उसने धोखा क्यों दिया.

तीखी बेहोश कर डालने वाली दुर्गंध के क्षेत्र से बाहर आते ही शाका एक पत्थर पर बैठ गया. उसकी बाह पर लिपटा काला नाग तभी जमीन पर उतर कर एक ओर को चल दिया—
यह कहां जा रहा है !
फुस..स्स..
खूंख्वार और वीभत्स शक्ल वाले लोगों का दल चोरों की तरह निकलकर जंगल में चल पड़ा—
ऐसे में शाका सामने पड़ जाए तो हमारी खैर नहीं!
जो भी होगा... देखा जाएगा.
काले नाग ने इस दल को जैसे ही देखा, क्रोध से फुंफकार उठा—
फुस्स फुसऽऽऽ...
काला नाग तेजी से आगे बढ़ा और दल के अंतिम आदमी के पीछे-पीछे चलने लगा—
उस दल ने एक मोड़ पार किया, तभी उस अंतिम आदमी के आगे काला नाग रास्ता रोककर खड़ा हो गया.
काला नाग यहां ?
आह!
तब जब वह दल आगे निकलकर चला गया, काले नाग ने उस पर उछलकर उसके मस्तक पर चोट की.

महाबली शाका को पहले ही शक था वह भागते हुए उसके करीब पहुंचा—

शाका ने उस खूंखार आदमी का चेहरा जैसे ही पकड़कर मरोड़ा, चेहरे पर चढ़ा मास्क हाथ में आ गया—

दूसरे ही क्षण शाका ने उस मृत आदमी को उठाया और कन्धे पर लादकर भाग खड़ा हुआ—

अपराधियों का दल चट्टानों में घिरे एक निश्चित स्थान पर पहुंचा. एक आदमी कम पाकर वह परेशान हो उठे—

यह खबर पॉकेट ट्रांसमीटर पर बॉस को लगी—

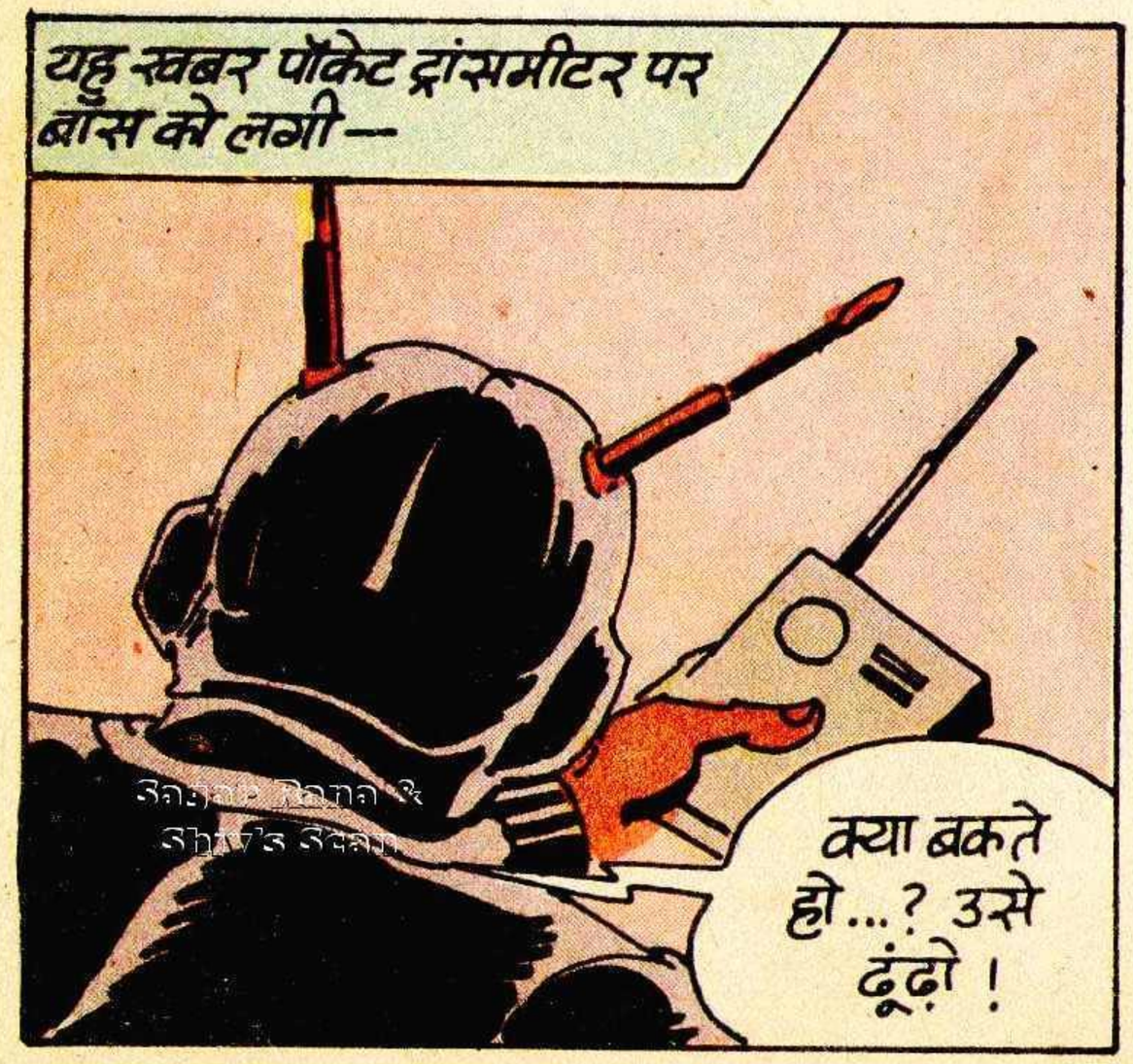

वह गुस्से से भरा एक ओर को तेजी से चल पड़ा—

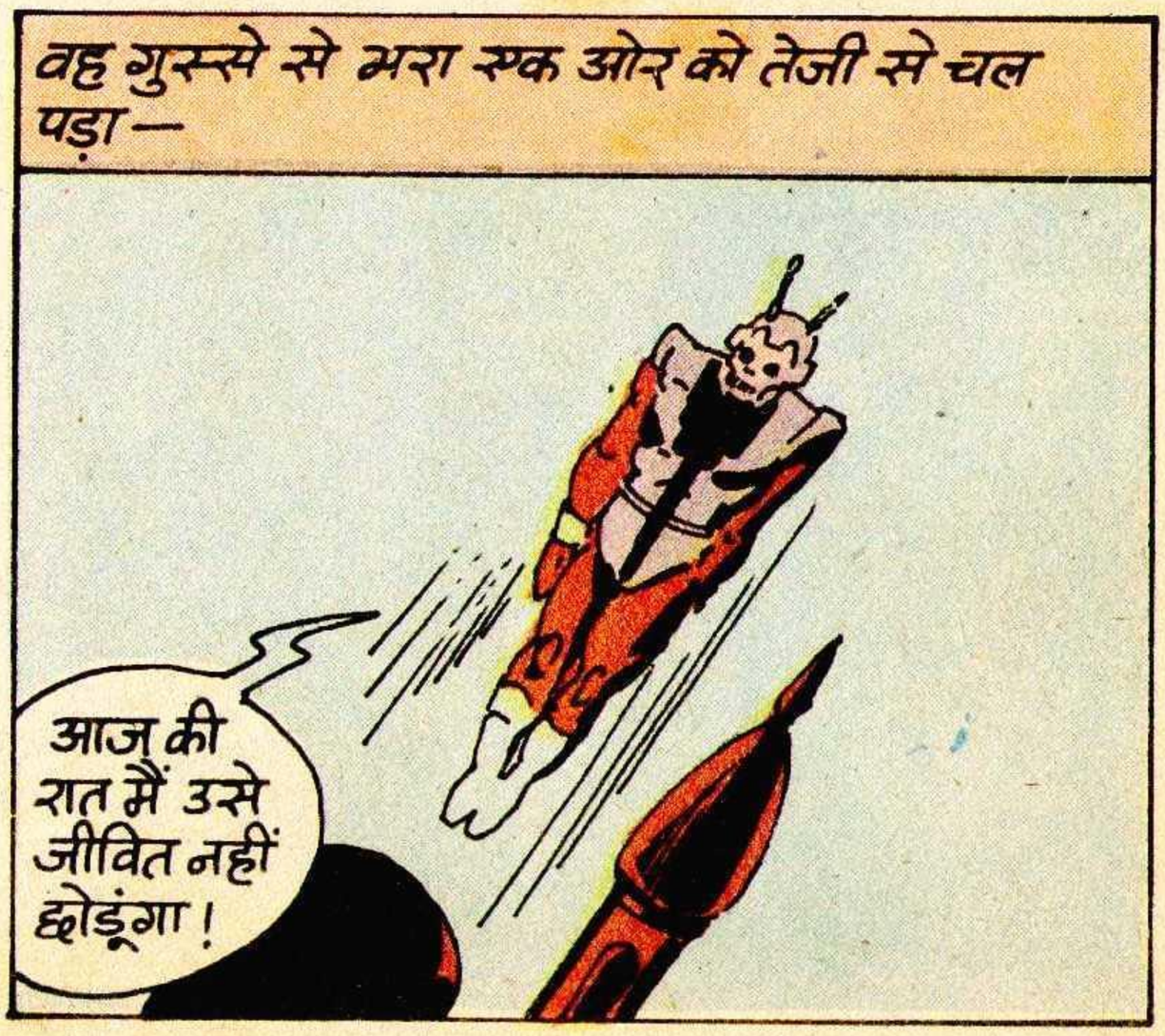

शाका, चेतक पर सवार आंधी तूफान की रफ्तार से भागता हुआ नाग गुफा पर पहुंच गया—
इससे बहुत कुछ पता चल सकता है!
अपने विशेष कक्ष में पहुंचकर शाका ने कंधे पर उठा रखे आदमी को जमीन पर उछाल दिया—
सम्भव है, इसे मैं...
... जीवित कर सकूं!
शाका अनेक प्रकार की गैसें उसे सूंघाने लगा—
इसे जीवित होना ही चाहिए.
थोड़ी ही देर में उसने आंखें खोल दीं और जैसे ही उसने शाका को अपने पर झुके देखा, घिघिया पड़ा—
नहीं... नहीं...! महाबली शाका, मेरा जरा भी अपराध नहीं है!
शाका ने गुर्राती आवाज में उससे सवाल किया—
सच-सच बताओ, कौन हो तुम लोग? क्या चाहते हो?
मैं... मैं जितना जानता हूं, बताने के लिए तैयार हूं, लेकिन...
याद रहे, मैंने तुम्हें जीवित किया है. तुम्हें मारकर अपने मित्रों को खिला भी सकता हूं.

उस आदमी की पूरी बातें सुनने के बाद शाका ने कुछ सोचा और काले नाग से कहा—

दोस्त, मेहमान का विशेष ख्याल रखना ! मैं अभी आता हूं.

काले नाग की ओर चोर नजरों से देखते हुए वह आदमी सोचने लगा—

अनेक बातें मैंने उसे नहीं बतलाई हैं. मौका पाकर मुझे भाग निकलना चाहिए.

कोसिमा के बीहड़ों में बसा एक कबीला रात की खामोशी में जब नाच गा रहा था तभी एक तमाशा शुरू हो गया—

धड़ाम!

उनके करीब जमीन से कुछ ऊंचाई पर धमाका हुआ और सभी उस ओर देखने लगे—

कुछ ही क्षणों में धमाके के साथ शोले गिरते नज़र आए और गाढ़ा धुआं बादलों की तरह उनकी ओर बढ़ने लगा—

वह धुआं भयभीत कबीलेवासियों के सामने पहुंच कर रुक गया और उसमें से एक भयानक सूरत झांकने लगी—

Sagar Rana & Shiv's Scan

उस भयानक सूरत को देखकर कबीले वालों का रहा सहा साहस भी बोल गया. वह भाग खड़े हुए लेकिन उस भयानक सूरत वाले ने उन्हें रोका—

ठहरो... मुझसे भागकर कहां जाओगे !

कबीलेवालों के पैर खम्भे की तरह गड़कर रह गए. उसने कहा—

तुम्हारे देवता पुत्र महाबली शाका के पापों का घड़ा भर गया है. अब उसे, मैं इस संसार से ऊपर भेजने आया हूं. जो उसे मार डालेगा, उसे इस पवित्र कोसिमा का राजा बना दिया जायेगा मैं फिर आऊंगा.

वह गादा धुआं इसके बाद ही एक ओर को उड़ता चला गया. उसके साथ-साथ वह भयानक सूरत भी अदृश्य हो गई.

यह सब क्या था ?

यह अदृश्य शक्ति कौन थी ?

देवता पुत्र ने कौन सा पाप किया है ...?

यह मैं क्या सुन रहा हूं...?

वह चेतक से उतरकर छुपते हुए जंगलियों की ओर बढ़ने लगा—

छुपकर सुना जाए... ये क्या बातें कर रहे हैं ?

Sagar Raja & Shiv's Scan

गाढ़े धुएं का बादल देखते ही देखते अदृश्य हो गया. वह भयानक सूरत भी गायब हो गई. कबीले के लोग चार-चार, छै-छै लोगों की गोल में खड़े होकर बातें करने लगे—

शाका ने कबीलेवालों की बातें सुनीं तो वह बौखला उठा—

शाका वापस चेतक के पास पहुंचा और उस पर बैठकर भाग खड़ा हुआ. भागते हुए उसने धमाके की आवाज सुनी

शाका ने भागते हुए अनेक धमाके सुने. उन धमाकों को सुनते-सुनते वह बुरी तरह बौखला उठा. उसने एक ऊंचे स्थान पर चेतक को रोक दिया और चारों तरफ देखते हुए सोचने लगा—

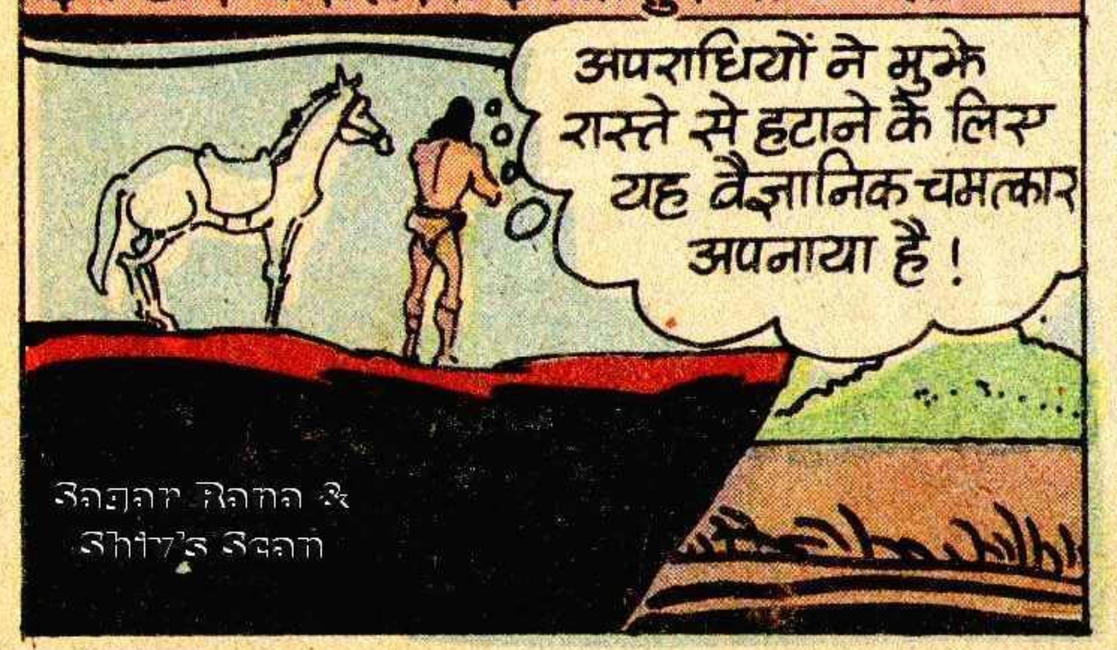

भयानक सूरत वाला बॉस अपने कक्ष में अट्टहास लगाने लगा—

एक निश्चित दिशा में चेतक को दौड़ाते हुए महाबली शाका ने अंतिम निर्णय लिया—
यदि अपराधियों को समय रहते मुंह तोड़ जवाब न दिया गया तो
...कबीलेवालों को सम्भालना मुश्किल हो जायेगा.
काफी देर बाद चेतक को रोककर एक ओर को दौड़ाते हुए शाका ने कहा—
दोस्त, तुम यहीं इन्तजार करो. मैं अभी आता हूं.
शाका ने किसी शैतान की तरह रेस लगा दी... दौड़ते समय उसने अपनी आंखें तेजी से फैलानी सिकोड़नी शुरू कर दीं. वह शीघ्र ही मोटे तने के पेड़ पास जा पहुंचा और घूरने लगा—
ओह! तो ये है... वह पेड़...!
शाका तेजी से आगे बढ़ा और उसने भरपूर ताकत के घूंसे पलड़ों पर जड़ दिए—
बॉस के कक्ष में टी०वी० स्क्रीन पर शाका दिखाई दिया. देखते ही बॉस की रूह फना हो गई—
यह यहां कैसे आ गया?
वह तेजी से कक्ष के बाहर की ओर भागा—
मैं इसका इलाज अभी करता हूं!

बॉस बाहर निकल ही सका था कि सुरंग में दूर शाका भागकर आता दिखाई दे गया...

ओह! इतनी जल्दी ये यहां भी आ गया!

ये जो भी है जीवित नहीं बचेगा!

शाका पूरी ताकत से उस ओर दौड़ पड़ा —

इसके सिवाय कोई चारा नहीं

अब तू भाग नहीं सकता!

आगे बढ़ता शाका बुरी तरह लड़खड़ाया और गिरा —

पलक झपकते शाका सैकड़ों फिट गहरे खड्डे में जा गिरा —

बॉस खड्ड में देखते हुए बोला —

आ... हा... हा... हा... ! महाबली शाका यहां तुम्हारी कोई भी ताकत साथ नहीं दे सकेगी... आ... हा... हा... हा...!

बॉस अपने कक्ष की ओर अट्टहास लगाते हुए बोला —

आ-हा-हा-हा-! कोसिमा मेरा है... यहां की अकूत दौलत मेरी है. आ-हा-हा-हा-!

ओह! इस खड्ड में तो मेरी कब्र बन जायेगी

Sagar Rana & Shiv's Scan

कुछ देर तो वह काला नाग बॉस की ओर देखता रहा और फिर वहां से तेजी के साथ वापस हुआ —
फुस्स फुस्स फुस्स!ऽऽ
तभी जाने कब और कैसे काले नाग पर बॉस की नज़र पड़ गई या फिर उसने टी॰वी॰ स्क्रीन पर देख लिया. वह अपने कक्ष से उड़ता हुआ सा निकला —
मैं इसे जीवित नहीं छोड़ूंगा.
काला नाग मोटे तने के पेड़ से बाहर निकल ही सका था कि पीछे से बॉस पहुंच गया —
वह रहा... जाता कहां है?
इधर बॉस ने फायर किया उधर सांप उछला और झाड़ियों के दूसरी ओर उड़ता हुआ गिरा —
फुस्स फुस्स....
चांय
मेरा बच निकलना जरूरी है वरना...!
बॉस जलती नजरों से घूरकर देखते हुए बुदबुदा उठा —
भाग गया कम्बख्त...!
उधर मौका पाते ही बॉस का वह आदमी काले नाग की पवित्र गुफा से निकल भागा —
मुझे जल्दी से जल्दी यहां से बहुत दूर निकल जाना चाहिए!

गुफा के बाहर काला नाग उस भागते हुए कैदी की ओर जीभ लपलपाते हुए देखने लगा—

भाग और तेज भाग... देखता हूं भाग-कर कहां जाता है?

फुस

फुस

भागते-भागते कैदी थककर एक जगह गिर पड़ा और हांफने लगा—

अब मुझे अपने दो नम्बर अड्डे की तरफ चलना चाहिए!

फुस ऽऽ फुस...

और जैसे ही कैदी फिर भागा उसके पीछे काला नाग भी लहराते हुए भागने लगा—

अड्डे पर पहुंच गया तो फिर कोई खतरा नहीं!

भाग और तेज भाग... मुझसे तेज नहीं भाग सकता!

गुफा का रक्षक काला नाग शाका के विशेष कक्ष में टी॰ वी॰ स्क्रीन के सामने पहुंचकर बैठ गया—

अभी वह अपने अड्डे के नजदीक पहुंच ही सका था कि उसके कदम लड़खड़ा गए. वह भयभीत नजरों से अपने चारों तरफ देखने लगा—

यह तो हमारा आदमी है!

मुझे ऐसा क्यों लग रहा है कि मैं मुसीबत में घिर गया हूं!

हां-इसका मुखौटा ही न लिया गया है!

यह शायद किसी की कैद से भागा है.

Sagar Rana & Shiv's Scan

कैदी को पहचानते ही सारे लोग बाहर निकल आए और उन्होंने उसे घेर लिया...

एक ओर को चलते हुए उनमें से एक ने कहा—

जल्दी चलो बॉस ने फौरन बुलाया है?

प्रतीत होता है, बॉस ने शाका पर काबू पा लिया है.

तेजी से चलते हुए वह मोटे तने के पेड़ के पास पहुंच गए—

यहां जरूर किसी तरह की घटना घटी है!

ऐसा ही लगता है!

बॉस तेजी से सुरंग के दरवाजे की तरफ बढ़ते हुए बुदबुदाया—

मेरे आदमी अब तक आए क्यों नहीं?

अपने आदमियों को देखते ही बॉस रुक गया उसने आर्डर दिया—

हमें यह जगह फौरन छोड़ देनी है. सामान उठाओ और भाग लो!

कुछ ही क्षणों में गिरोह के लोग बड़े-बड़े बक्से उठाए गुप्त द्वार से बाहर निकल पड़े—

चलो जल्दी करो, समय कम है काम ज्यादा!

Sagar Rana & Shiv's Scan

Sagar Rana & Shiv's Scan

Sagar Rana & Shiv's Scan

काला नाग चेतक पर चढ़ गया और उसने उसकी काठी से लम्बी रस्सी नीचे गिरा दी.

महाबली शाका गहरे खड्ड में ऊपर देखते हुए बुदबुदाया—

यहां से ऊपर नजर आते लोहे के जाल तक पहुंचने के लिये कोई चारा नहीं है.

कुछ समय बाद शाका की नजरें ऊपर देखते ही चमकने लगीं—

काला नाग भीतर आ गया!

कुछ ही क्षणों में शाका के पास रस्सी का एक सिरा आ गया. वह उसे पकड़कर चढ़ने लगा—

अब मेरे लिये ऊपर पहुंचना कोई कठिन नहीं है!

शाका कुछ ही क्षणों में जाल के पास आ गया और उसे पकड़कर एक ओर को झुकाने लगा—

Sagar Rana & Shiv's Scan

उसने थोड़ी सी जगह पाते ही घूंसे से जमीन फाड़ दी और सुरंग में उसके दोनों हाथ जमीन से ऊपर आ गए—

शाका जैसे ही कैदखाने से बाहर निकला उसके चहेते सांप उससे लिपट गए. शाका एक-दो को हाथों में लेकर प्यार करने लगा—

फुस्स

धन्यवाद मित्रो... मैं तुम्हारे इस एहसान को हमेशा याद रखूंगा

रस्सी समेटते हुए शाका चेतक के पास पहुंचा. काठी से रस्सी लटकाकर उसे प्यार करते हुए बोला—

धन्यवाद मित्र चेतक, तुम लोग न होते तो दुश्मन ने मेरी कब्र तो बना ही डाली थी!

दूसरे ही पल शाका चेतक पर बैठकर तीर की सी रफ्तार से चल पड़ा—

बॉस अपने गिरोह के लोगों को लेकर नम्बर दो के अड्डे में पहुंच गया. उसने अपने आदमियों से कहा—

हमें अब कोई खतरा नहीं है. खाओ पियो, मौज करो!

उसके जाते ही लोग आपस में खुसर-फुसर करने लगे—

हमें इस बात का पता लगाना होगा, यह है कौन?

फिलहाल आराम करें!

हम तो उसे ही जानते हैं... जिसने हमें इसके पास भेजा है!

Sagar Jena & Shiv's Scan

बॉस अपने कक्ष में पहुंचा. मेज पर रखे ट्रांसमीटर से गुप्त संकेत गूंज रहा था. वह करीब पहुंचा और बात करने लगा—

ओ० के० सुप्रीम, ऐसा ही होगा. आप आ सकते हैं. ओवर... ओवर एण्ड ऑल!

बॉस बात करने के बाद जैसे ही घूमा, उसकी नजर एक साथ दो काले नागों पर पड़ी. वह बुरी तरह चौंक गया—

ओह! ये कम्बख्त यहां भीतर कैसे घुस आए?

अभी वह काले नाग किसी तरह की हरकत कर पाते बॉस ने विशेष प्रकार का रिवॉल्वर फुर्ती से निकाला और उन पर गोलियां दाग दीं—

धांय

धांय

काले नागों के चिथड़े उड़ते देखकर बॉस अट्टहास लगाने लगा—

आ... हा... आ...

हा... हा...!

हा... हा... हा

दूर दराज किसी अज्ञात स्थान पर. अंडर ग्राउंड आलीशान कक्ष में चार लोगों का दल टी॰वी॰ स्क्रीन पर बॉस को अट्टहास लगाते देख रहा था—

वाह! सुप्रीम...!

वाकई! कमाल है!

सुप्रीम हमें अब पहुंचना चाहिए

इसने शाका को कैद कर लिया है!

चारों लम्बे-चौड़े शेड से बाहर निकले और घोड़ों के पास पहुंचकर खड़े हो गए.

दोस्तो, हमें इसी समय यहां से चल देना चाहिए!

हम तैयार हैं, सुप्रीम!

Sagar Rana
Shiv's Scan

चारों लबादाधारी हथियारों से लैस घोड़ों पर सवार होकर जंगल की ओर चल दिए—

ओह! तो ये कोसिमा के बीहड़ वन में जा रहे हैं इनका इरादा मुझे अच्छा नहीं लगता!

मुझे गश्ती दल के पुलिस मुख्यालय पहुंचना चाहिये!

मुझे तो पहले ही शक था ये लोग अच्छे आदमी नहीं है!

वह रहा... मुख्यालय!

पुलिस स्टेशन

चेहरे पर स्कॉर्फ बांधे खूंख्वार आदमी ने जैसे ही पुलिस इंस्पेक्टर को घोड़े पर आते देखा, वह बुदबुदा उठा—

आ गया बलि का बकरा. सुप्रीम का सोचना कितना सही निकला.

उस खूंख्वार आदमी ने इंस्पेक्टर को अपनी गन की नाल की सीध में लेते हुए कहा—

चले आइए इंस्पेक्टर साहब... थोड़ा और आगे आइए!

इंस्पेक्टर दुर्भाग्य से जैसे ही उस खूंख्वार अपराधी की गन की रेंज में पहुंचा, अपराधी हंसने लगा—

आ-हा-हा-हा...! इंस्पेक्टर, मैं आज तुझे ईमानदारी और वफादारी का इनाम दूंगा.

Sagar Rana & UnivScan

Sagar Rana & Shiv's Scan

पुलिस गश्ती दल के इंस्पेक्टर की नजर पड़ गई. वह खूंखवार हो उठा—

ओह! ये तो उन्हीं लोगों में से एक है. लेकिन इसके पीछे काला नाग क्यों लगा हुआ है!

इंस्पेक्टर ने खतरनाक रिवाल्वर निकाला और अपराधी पर निशाना लगाने लगा—

अब यह नहीं भाग सकता!

खूंखवार अपराधी भागते हुए एक पत्थर पर से फिसलकर गिर पड़ा. उसके मुंह से भय से भरी चीख निकल गई.

आह!

अपराधी के खड्ड में गिरते ही सांप ने भी उस पर झलांग लगा दी. अपराधी एक बार फिर चीख पड़ा.

आह!

इंस्पेक्टर के गोली चलाने से पहले ही यह घटना घट गई. इंस्पेक्टर पेड़ से उतरकर भागा—

अपराधी बहुत चालाक है, कहीं किसी तरह की उसने चालाकी तो नहीं दिखा दी.

इंस्पेक्टर उसी खड्ड के पास सावधानी के साथ पहुंचा जिसमें अपराधी फिसलकर गिरा था. वह जैसे ही उसमें झांका... हैरान रह गया...

ओह, गॉड!

Sagar Rana & Shiv's Scan

दूर हैडक्वार्टर की ओर जाते हुए इंस्पेक्टर के होंठ बुदबुदा उठे —

नाग देवता ने खुद ही इसे अपने किए की सजा दे दी.

इंस्पेक्टर घोड़े पर बैठकर हैडक्वार्टर के गेट पर पहुंच गया —

अपराधी की लाश मंगवाकर देखना चाहिए. संभव है किसी नई बात का पता चले.

इंस्पेक्टर ने पुलिस चीफ के ऑफिस में पहुंचते ही सारी घटना ब्यान कर दी. सबसे पहले चीफ ने महाबली शाका से ट्रांसमीटर पर सम्पर्क साधा और बात की —

आप समझ गए न वह शरीफ अपराधी हैं चूंकि उनके विरुद्ध हमारे पास किसी तरह के प्रमाण नहीं हैं. हम ...

... अंगुली नहीं उठा सकते !

उधर महाबली शाका ने जवाब दिया —

चिंता न करें चीफ. मेरी नजर उन पर है. उन लोगों ने यहां जाल फैलाना शुरू कर दिया है. लेकिन यह पता नहीं चल सका यह लोग यह सब कर किसलिए रहे हैं ?

गश्ती दल के आठ जवान उस खड्ड की ओर निकले जिसमें इंस्पेक्टर के बताए अनुसार खूंखार अपराधी की लाश थी. एक बोला —

वैसे यह आश्चर्य की बात है कि काले नाग ने अपराधी का पीछा किया और उसे खत्म करके ही छोड़ा !

परन्तु जब वह दल उस खड्ड के पास पहुंचा तो सभी आश्चर्य से देखते रह गए —

कमाल है ! यहां तो लाश गायब है - और काला नाग मरा पड़ा है !

Sanjay Gupta & Shiv's Scan

जंगल गश्ती दल ने वापस आकर इंस्पेक्टर और पुलिस चीफ को खबर दी तो सभी चौंक गए—

एक खूंखार अपराधी कंधे पर दूसरे अपराधी की लाश उठाए शेड के पीछे प्रकट हुआ और आगे बढ़ते हुए बुदबुदा उठा—

शाका को जैसे ही खबर लगी कि कुछ लोग बीहड़ में उत्तर से घुसने की कोशिश कर रहे हैं, वह कुछ जरूरी सामान लेकर चेतक पर सवार हुआ और भाग खड़ा हुआ—

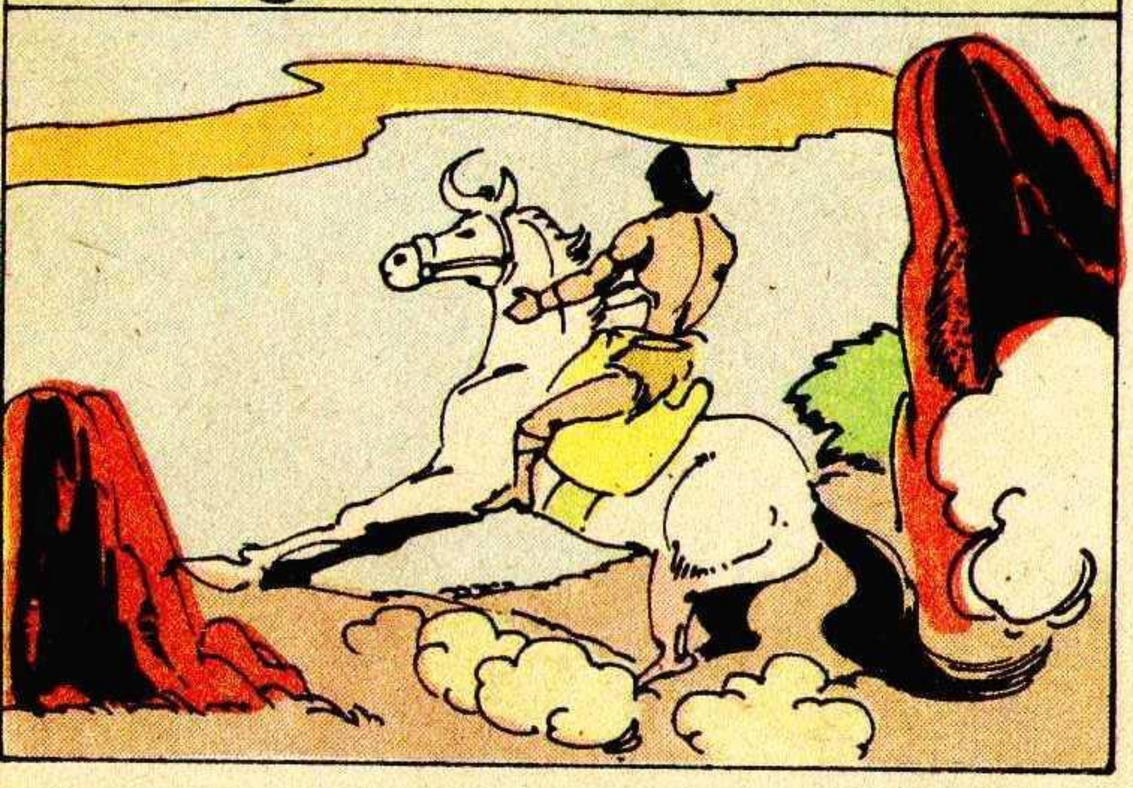

काफी देर तक आंधी तूफान की रफ्तार से भागते हुए शाका ने एक ऊंची जगह पर घोड़ा रोक लिया—

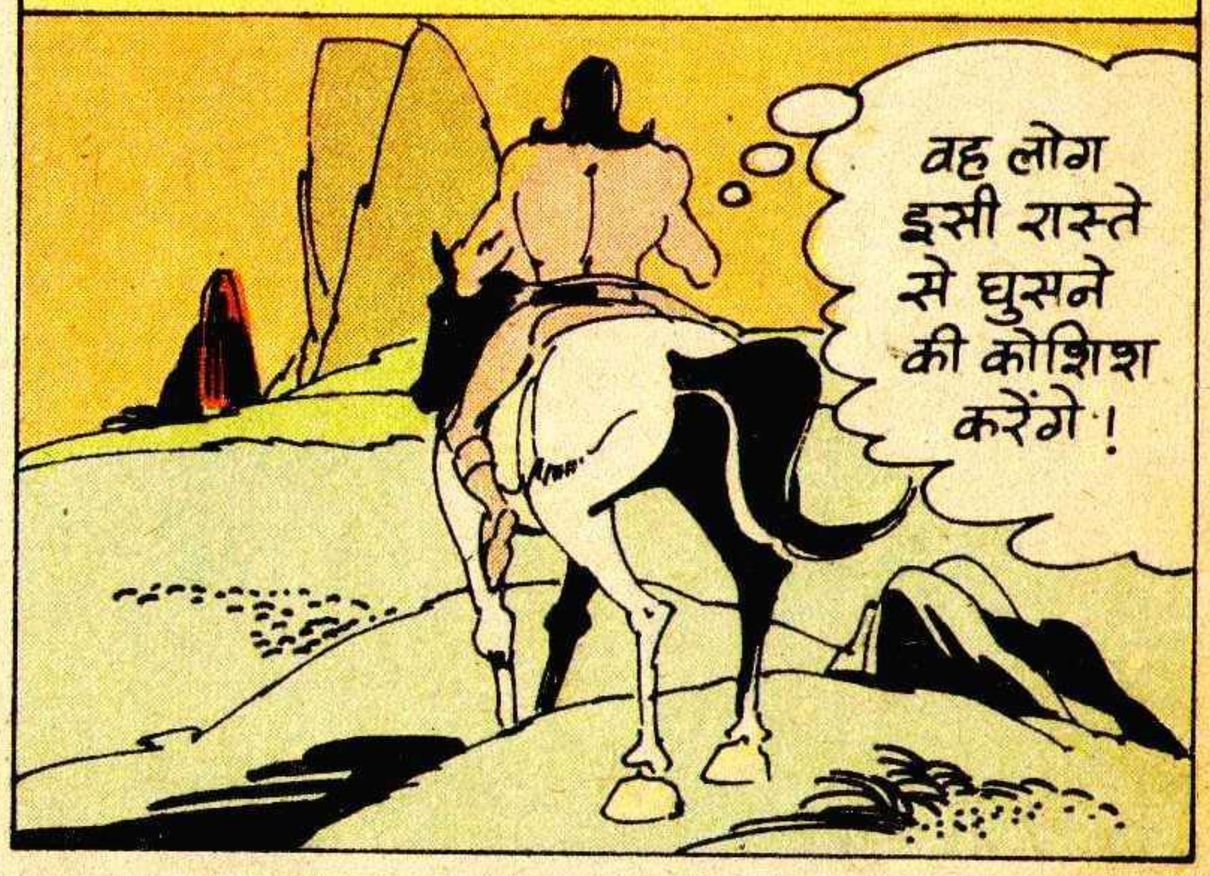

चारों अपराधी घोड़ों सवार भागते हुए एक जगह रुक गए—

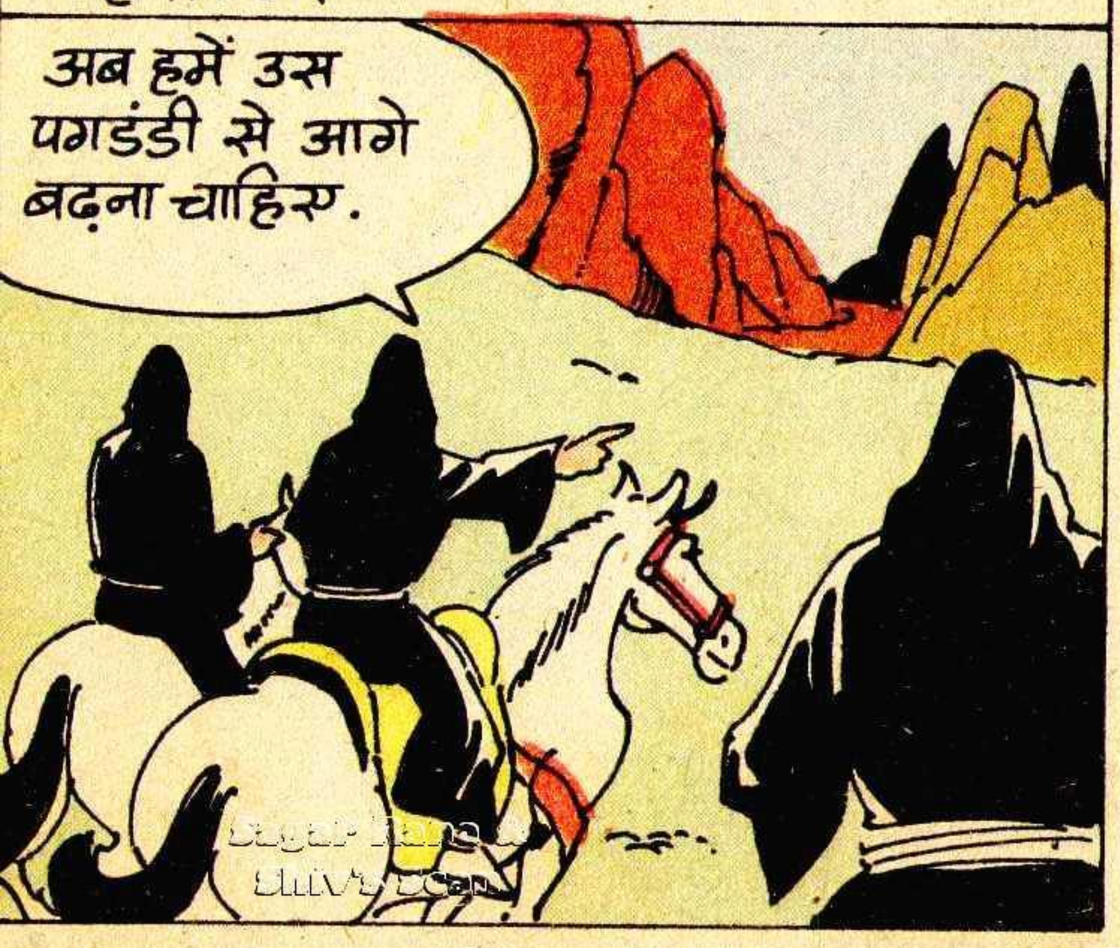

अभी ये आगे बढ़े ही थे कि घोड़े पर सवार शाका इनके ठीक सामने आ खड़ा हुआ—

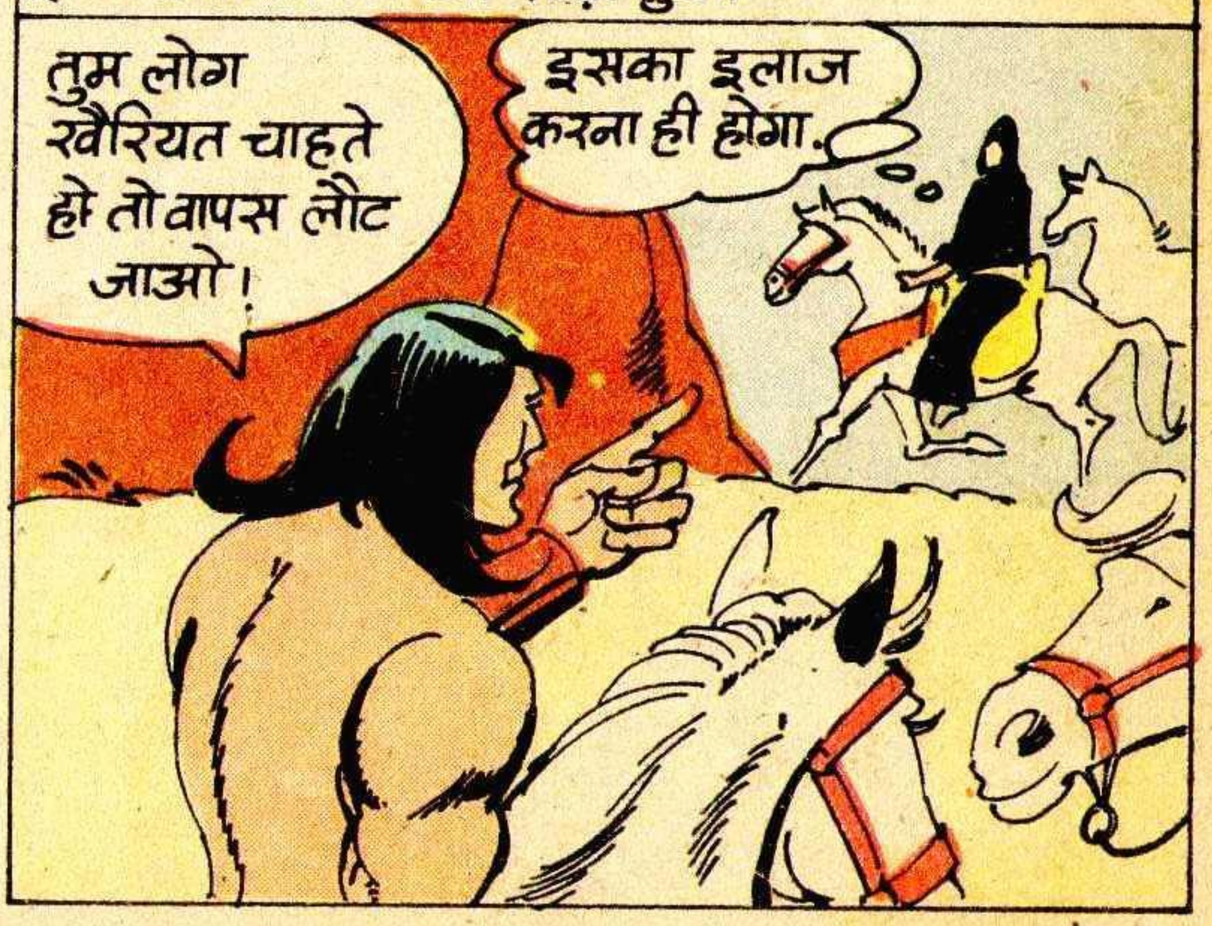

Sagar Rana & Shiv's Scan

शाका उछलकर अपने चेतक पर सवार हुआ और जल्दी-जल्दी आंखें फैलाने व सिकोड़ने लगा. कुछ ही क्षणों में उसकी आंखों की पुतलियां हीरे की तरह चमकने लगीं—

इतनी जल्दी कहां जा सकते हैं ये लोग ?

तभी महाबली शाका के मस्तिष्क में बिजली सी कौंध गयी—

उन चारों के सिवाय भी यहां कोई और था. जिसने गोला फेंक कर गाढ़ा काला धुआं फैलाकर उन्हें भागजाने में मदद की.

जब काफी देर हो गई और शाका को वहां कुछ भी दिखाई-सुनाई नहीं दिया तो वह एक ओर को चल दिया—

ये लोग अब आसानी से हाथ नहीं आयेंगे !

शाका के जाते ही चट्टानों और घनी झाड़ियों के पीछे से वह चारों निकलकर खड़े हो गए—

अब हमें पैदल ही चलना होगा !

तुम लोग बेअक्ल हो ! यह सोचो गोला किसने फेंका था.

तभी वहां एक अन्य आवाज गूंज गई—

गोला हमने फेंका था सुप्रीम !

ये तो मेरे आदमी हैं !

सभी एक-दूसरे के करीब पहुंच गए. सुप्रीम बोला—

तुम लोग मौके पर पहुंचे !

हमें बॉस ने बहुत पहले ही भेज दिया था. हम लोग आपका इन्तजार कर रहे थे.

सुप्रीम अपने साथियों सहित बॉस के आदमियों के साथ घोड़ों पर सवार हुआ और वह बीहड़ों में आगे बढ़ने लगे —
अपने अड्डे पर पहुंचने से पहले शाका का ख्याल रखना चाहिए.
चिंता न करें सुप्रीम, वह दक्षिण की तरफ भागता गया है. हम पश्चिम की तरफ जा रहे हैं !
काफी आगे जाकर महाबली शाका ने चेतक को रोका और उससे उतरकर बोला —
दोस्त, तुम चुपचाप कहीं घास पर बैठकर आराम करो. मैं अभी आता हूं !
वह भागकर पेड़ पर चढ़ गया. चेतक एक जगह घास पर जाकर समझदारों की तरह बैठ गया —
जायेंगे कहां ? अभी सामने आ जायेंगे.
कुछ समय बाद शाका ने उन्हें दूर जाते हुए देखा. वह पेड़ पर से उतरते हुए बुदबुदाया —
ओह! तो ये लोग अब पश्चिम की तरफ जा रहे हैं !
पेड़ से उतरते ही शाका एक बार फिर चेतक पर सवार होकर उसी दिशा में भाग खड़ा हुआ, जिस दिशा में वह लोग जाते दिखाई दिए थे. भागते हुए उसने निश्चय किया —
मुझे सावधानी के साथ इनका पीछा करना चाहिए !

आठ लोगों का दल एक निश्चित स्थान पर पहुंचकर खड़ा हो गया. अभी वह आगे कदम बढ़ाते कि बॉस हवा की सी रफ्तार से आता दिखाई दिया. सभी उसकी ओर देखने लगे—
करीब पहुंचते ही बॉस रुक गया. उसने कहा—
हैलो सुप्रीम... बॉस आपका खुफिया अड्डा नम्बर दो पर स्वागत करता है!
बॉस थ्री नॉट थ्री, मैं तुम्हारी जितनी भी तारीफ करूं कम है!
बॉस हंसने लगा—
आ...हा... हा... हा... सुप्रीम आप तो मेरे फॉदर हैं जैसा आर्डर देते हैं—मैं करता हूं. आ...हा... हा... हा...!
और फिर बॉस सभी को साथ लेकर पत्थरों के पीछे की ओर जाने लगा पर क्या पता था इन्हें कि महाबली शाका पहुंच गया है और जलती नजरों से देख रहा हैं.
इस पूरे गिरोह को यहीं दफना देना चाहिए!
विशेष कक्ष में पहुंचते ही सुप्रीम ने कहा—
थ्री नॉट थ्री... तुमने कहा था शाका को तुमने मौत के कुएं में कैद कर लिया है. फिर वह...
...वहां कैसे पहुंच गया!
आश्चर्य है, सुप्रीम!

सुप्रीम एकदम चीख पड़ा—
शट् अप... तुमसे बड़ा भी कोई बेवकूफ हो सकता है- इस दुनिया में...! याद रहे भविष्य में कभी ऐसी भूल न हो... वरना...!
सुप्रीम क्रोध से भरा आगे बोला—
हम भाग्य के धनी थे... बच गए वरना तुम्हारी अक्लमंदी ने हमारा इंतजाम कर ही दिया था.
सुप्रीम का खुफिया अड्डा नम्बर दो देखने के बाद महाबली शाका सीधे अपनी नाग गुफा पर पहुंचा, वहां मूल निवासियों की भीड़ देखकर चौंक गया.
देवता पुत्र... आकाश में एक धमाके के साथ अदृश्य शक्ति प्रकट होती है. कहती है, आपके पापों का घड़ा भर गया है!
आ-हा-हा-हा !
आ-हा-हा-हा !
शाका ने हंसते हुए आगे पूछा—
और क्या कहती है वह अदृश्य शक्ति?
कहती है देवता पुत्र, आपका अंतिम समय आ गया है जो निवासी आपको मार डालेगा वही इस बीहड़ का राजा बनेगा.
महाबली शाका ने भेदभरी नजरों से घूरते, सवाल किया-
तुम लोगों ने क्या निश्चय किया है?
हम सब आपके वफादार हैं. लेकिन हजारों ऐसे भी हैं जो आपके खून के प्यासे हैं!
महाबली शाका शून्य को घूरने लगा—
मुझे आशा थी ऐसा ही होगा!

सामने खड़े कोसिमा के मूल निवासियों को उसने संबोधित करते हुए कहा–

अपराधियों ने इस बार वैज्ञानिक चमत्कार का सहारा लेकर अदृश्य शक्ति का नाटक रचा है. भोले भाले लोगों को मूर्ख बनाने की कोशिश की है लेकिन बहुत जल्द उनका पर्दाफाश कर दिया जाएगा. आप लोग चिंता न करें!

शाका अपनी गुफा के विशेष कक्ष में पहुंचा और उसने टी॰ वी॰ ऑन किया. इन्फार्मर आसमान में तैर रहा था. सम्पर्क सधते ही शाका ने कोडवर्ड में उसे आर्डर दिया और वह फुर्ती से वहां से हटकर उन चट्टानों पर पहुंच गया जिस जगह शाका ने सुप्रीम को बॉस के साथ देखा था.

इन्फार्मर सावधान!

मैं सावधान हूं-फॉदर!

यह एक सुखद संयोग ही था कुछ ही देर में टी॰ वी॰ स्क्रीन की साइड में लगा एक विशेष बल्ब तेजी से जल्दी-जल्दी जलने बुझने लगा–

पीं... पीं... पीं... हैलो... फॉदर इन्फार्मर कालिंग, हैलो... हैलो फॉदर!

इन्फार्मर... बोलो... फॉदर स्पीकिंग... बोलो- बोलो... इन्फार्मर!

स्क्रीन पर तभी दृश्य बदला.

ओह! तो ये बात है!

इन्फार्मर इन पर पूरी-पूरी नज़र रखो!

कुछ ही क्षणों में आधे दर्जन भयानक क्रूर नजर आते लोग, खतरनाक गनों से लैस होकर निकले

ये शायद रक्षक दल है, जो इनकी सुरक्षा के लिये पीछे-पीछे चलेगा.

सुरक्षा दल फैल गया और बॉस तथा विशेष प्रकार की लम्बी चीज उठाए जाते लोगों के पीछे-पीछे तेजी से चलने लगा—

बॉस थ्री नॉट थ्री जल्दी ही अपने साथियों सहित एक ऊंची चट्टान पर पहुंच गया. दो लोगों ने उस लम्बी चीज को छोटी तोप की तरह चट्टान पर रख दिया–

अब तुम लोग जाओ आराम करो!

यस यौर आर्डर बॉस!

ओ॰ के॰ बॉस!

Sagar Rana & Shiv's Scan

बॉस ने अपने साथियों के जाते ही उस छोटी तोप के एक चाक पर अंगुलियां चलाईं. और तोप का मुंह एक निश्चित दिशा में घूम गया. वह बुदबुदाया-

बॉस ने उस छोटी तोप का एक विशेष स्विच दबा दिया. इधर स्विच दबा उधर गोला छूटा—

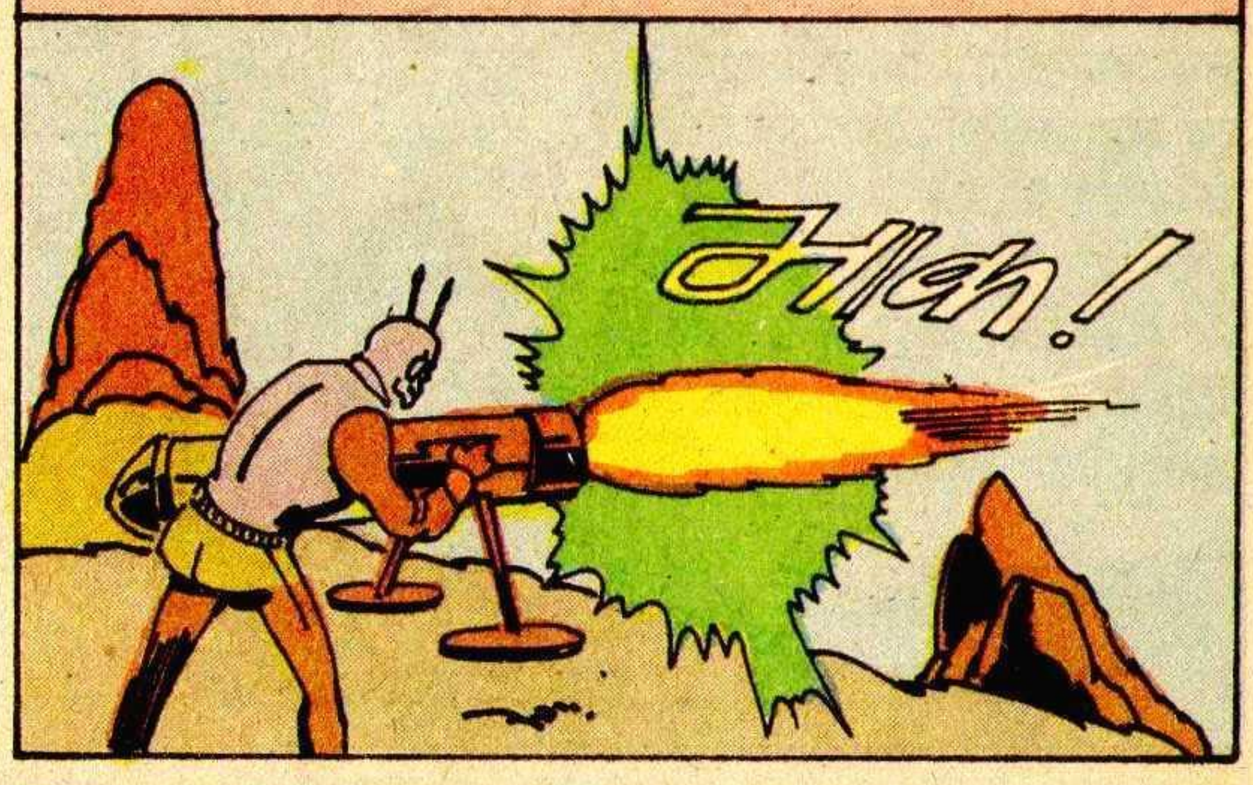

छोटी तोप से निकला गोला तीर की सी रफ्तार से जलती हुई गेंद की तरह उड़ता हुआ चल पड़ा.

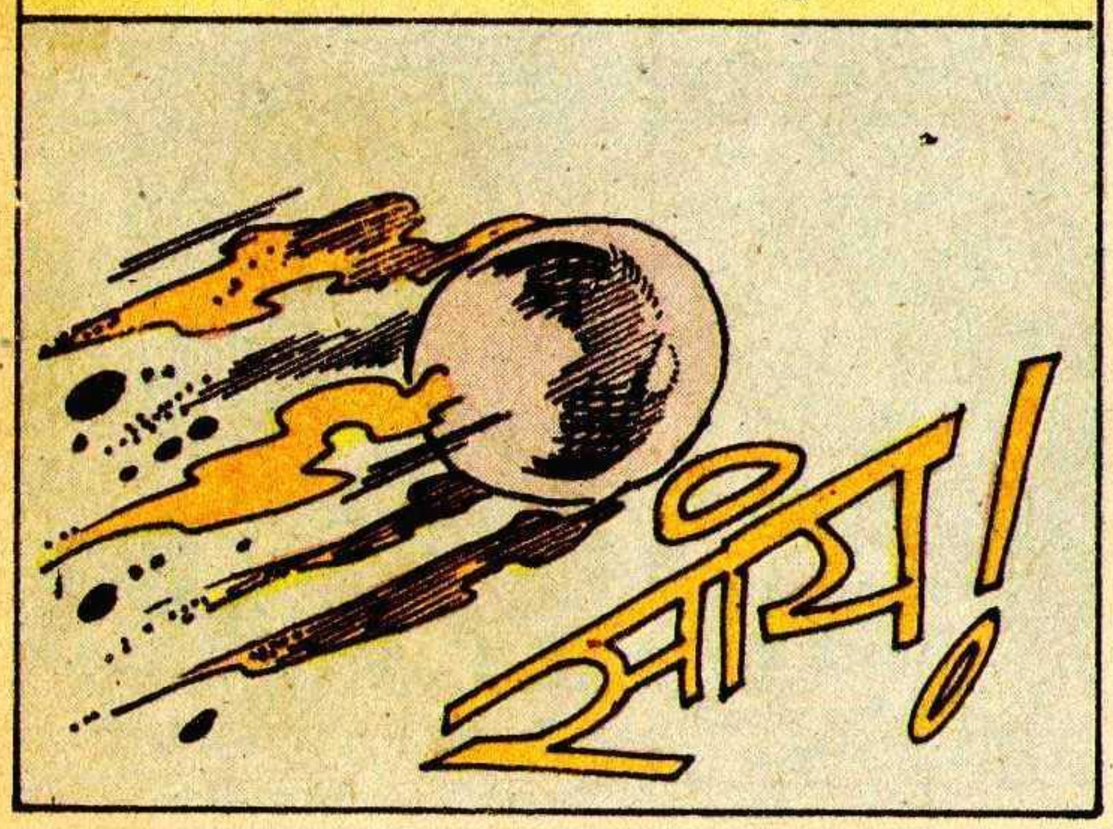

नाग देवता की पवित्र गुफा के सामने गोला जाकर गिरा—

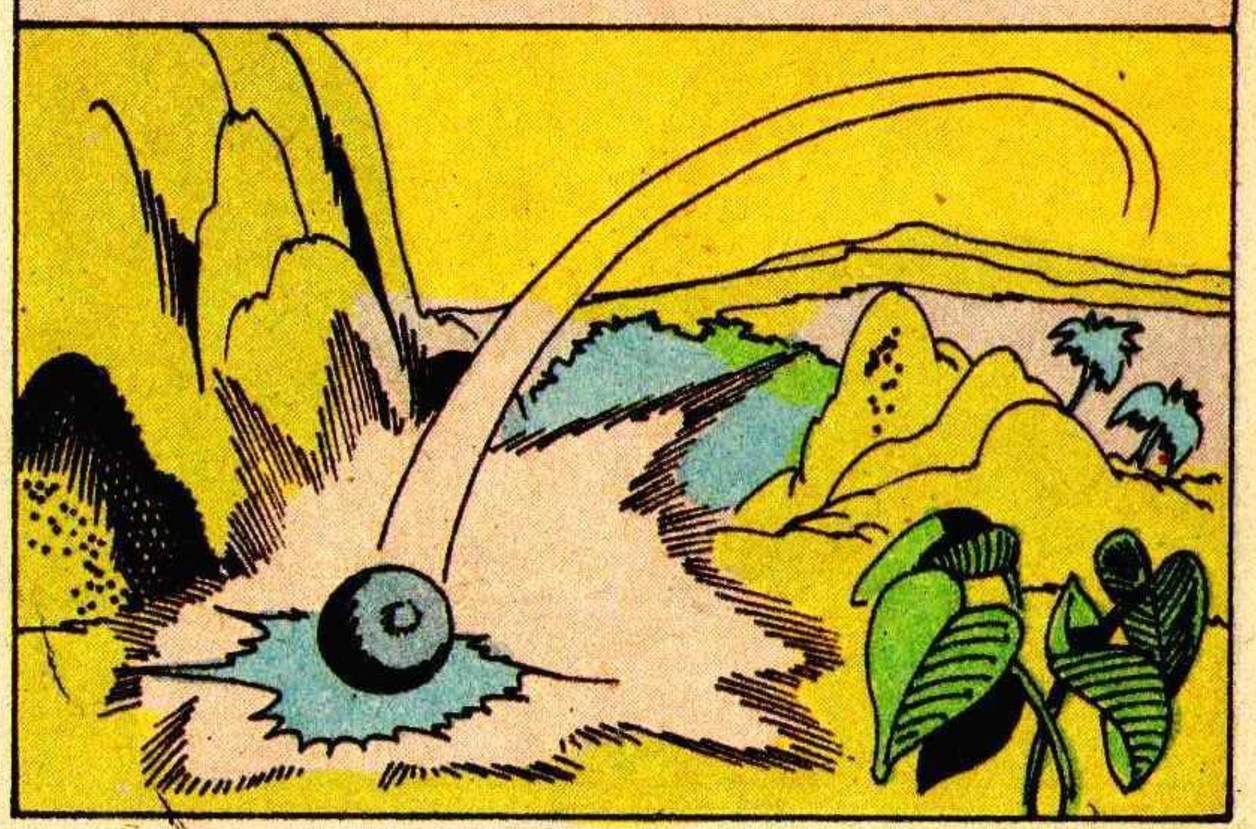

कुछ ही क्षणों में धुएं की एक चादर जमीन पर बादलों की तरह उमड़ने- घुमड़ने लगी—

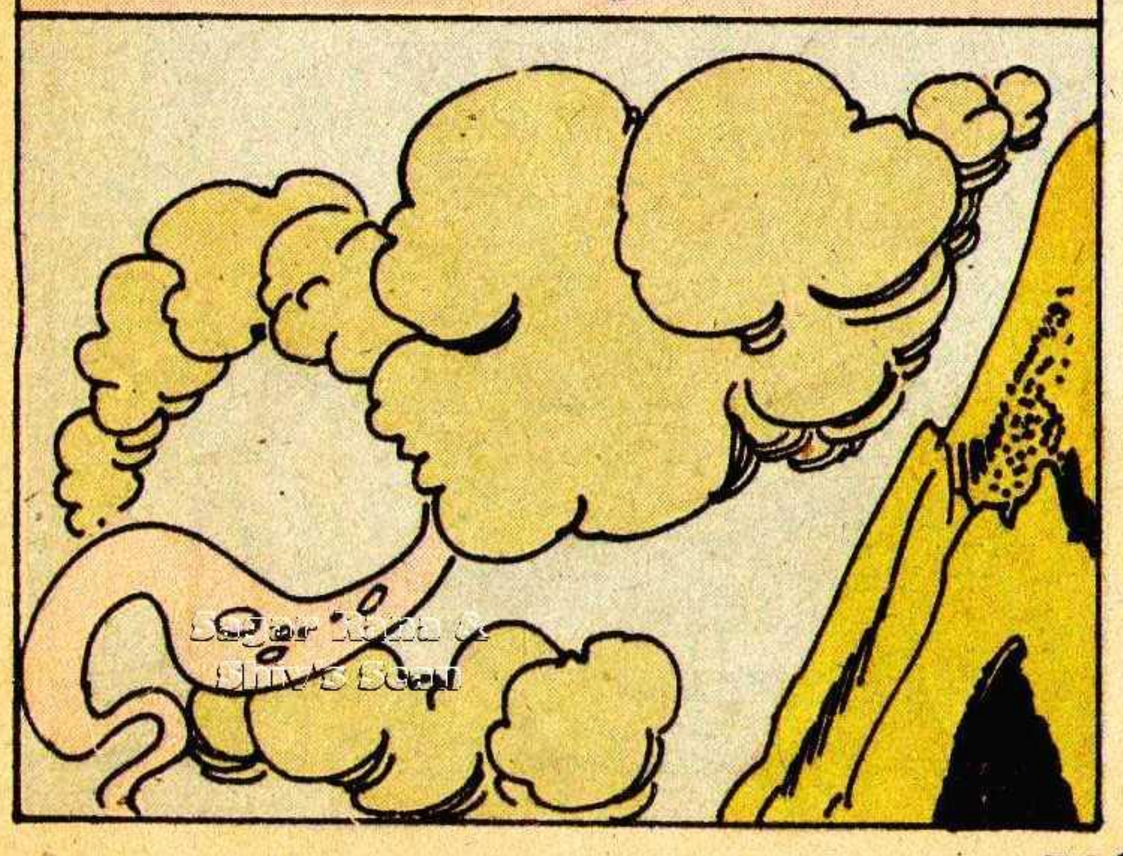

महाबली शाका कुर्सी पर बैठा था. टी॰ वी॰ ऑन था... लेकिन उसकी चेतना शक्ति लुप्त होने लगी. वह शिथिल होने लगा और देखते ही देखते वह कुर्सी पर निर्जीव पड़ा रह गया...

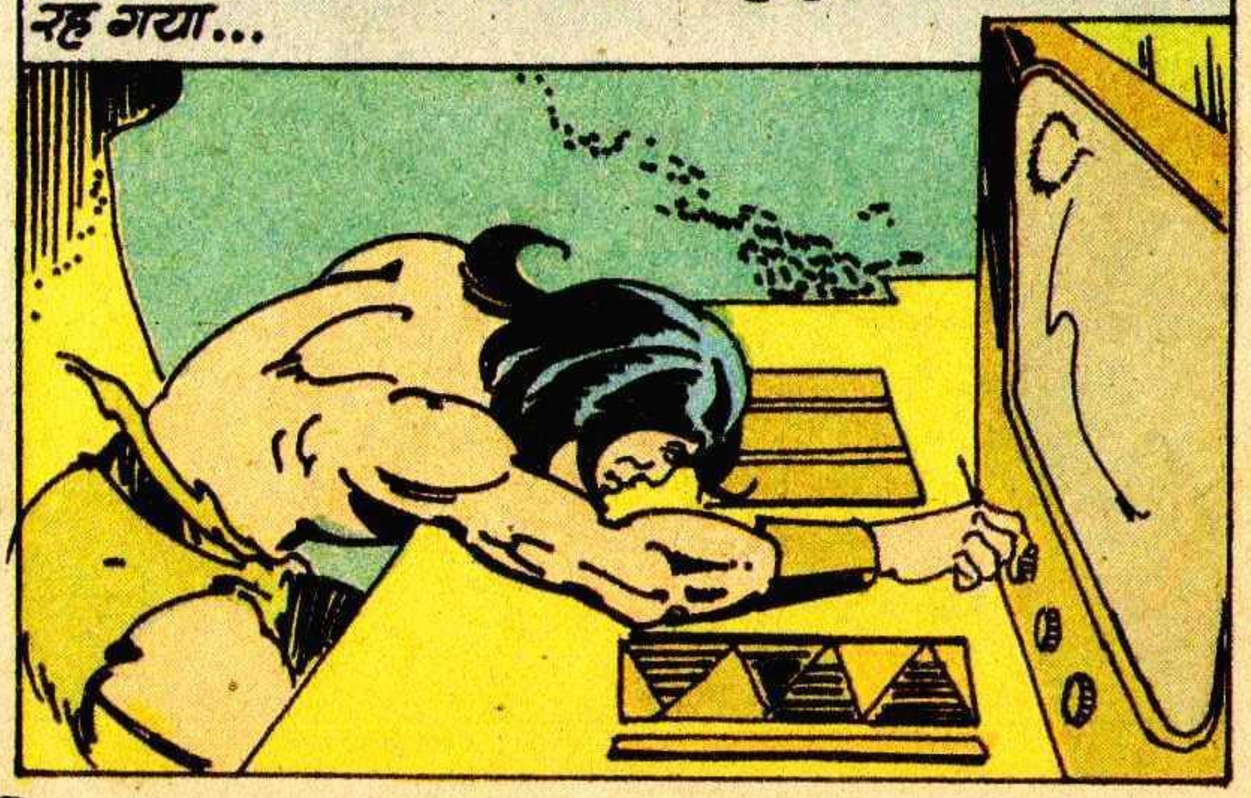

काला नाग गुफा के दरवाज़े पर तैनात था. वह धुएं की चादर को बादलों की तरह उमड़ते-घुमड़ते देख रहा था. वह सोचने लगा—
यह नई मुसीबत क्या है? मुझे ऐसा क्यों लग रहा है जैसे मेरे प्राण निकलने वाले हैं!
वह चादर जमीन से सटी-सटी नाग गुफा के दरवाज़े की तरफ बढ़ने लगी. काला नाग भीतर की तरफ भागा—
मुझे महाबली को खबर देनी चाहिए!
काला नाग शाका के पास पहुंचा और उससे लिपटकर उसके कान के पास फुंफकारने लगा—
धुएं की चादर नाग गुफा पर पहुंच गई और एक छोटी-सी जगह से गुफा के भीतर घुसने लगी—
काला नाग शाका से लिपटा हुआ था और उसके कान के पास फुंफकार रहा था. धुएं की चादर को एक छोटे छेद से भीतर घुसता देखकर परेशान हो उठा. वह उससे छूटकर भीतर की ओर भागा—
धुएं की चादर गुफा के भीतर आ गई और वह शाका को चारों तरफ से घेरने लगी, फिर वह शाका पर धीरे-धीरे चढ़ने लगी—
Sagar Rana & Shiv's Scan

काला नाग उस कक्ष में लड़खड़ाता हुआ पहुंचा जिसमें सैकड़ों तरह के वैज्ञानिक उपकरण तथा यंत्र रखे हुए थे. लेकिन वहां तक पहुंचते-पहुंचते वह जमीन पर लम्बा हो गया—

कुछ ही पलों में महाबली शाका उस धुएं की चादर से पूरी तरह ढक गया. उमड़ते-घुमड़ते बादलों की तरह धुएं की चादर से वह कांपने लगा—

"...हाथ में पॉकेट ट्रांजिस्टर टाइप के सूक्ष्म टी० वी० में देखते हुए बॉस बोला—

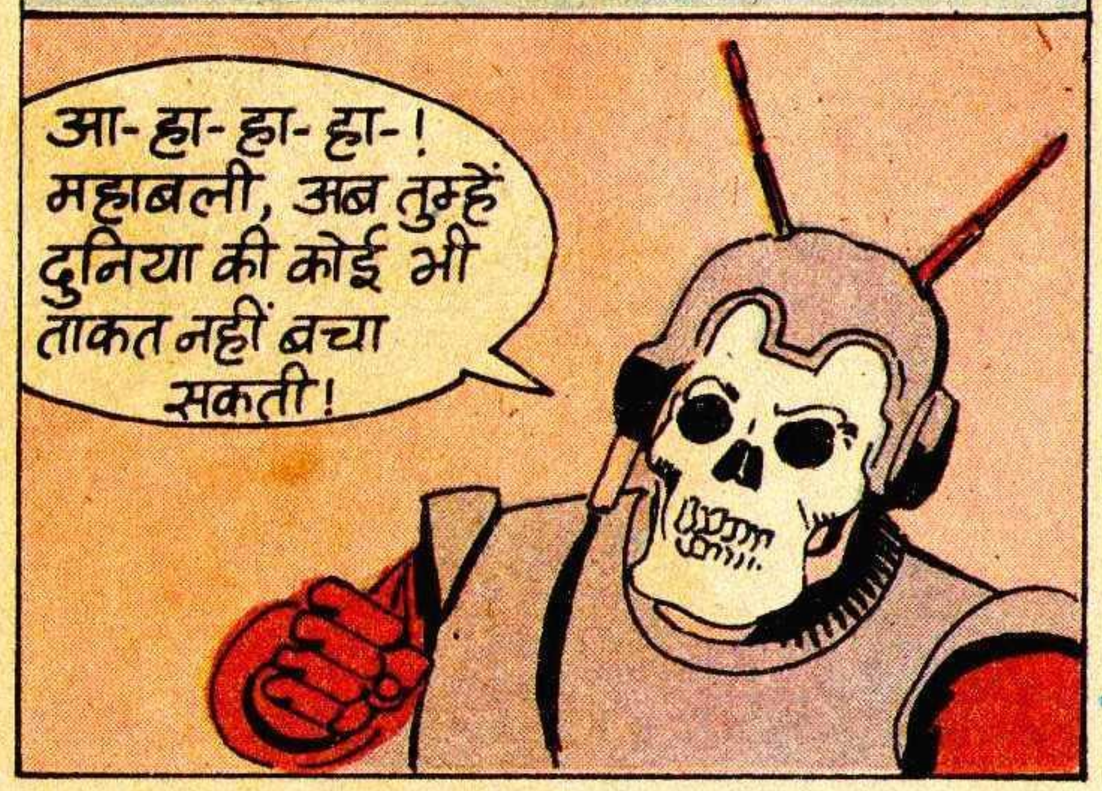

बॉस ने बिना देर किए एक दूसरा स्विच ऑन किया—

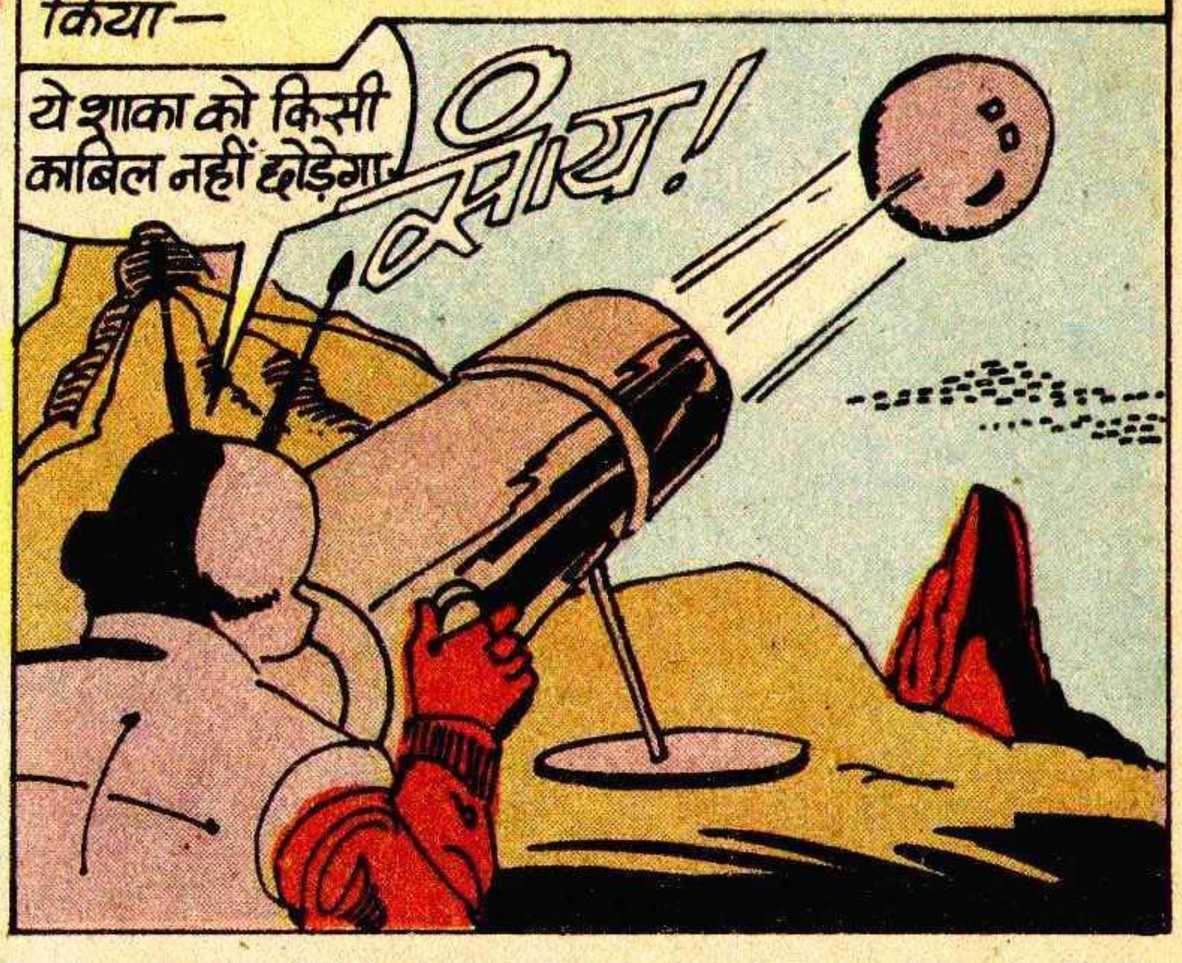

बॉस की तोप से निकला दूसरा गोला भी पवित्र गुफा के दरवाजे से जा टकराया और तरल काला पदार्थ चट्टान पर बहने लगा—

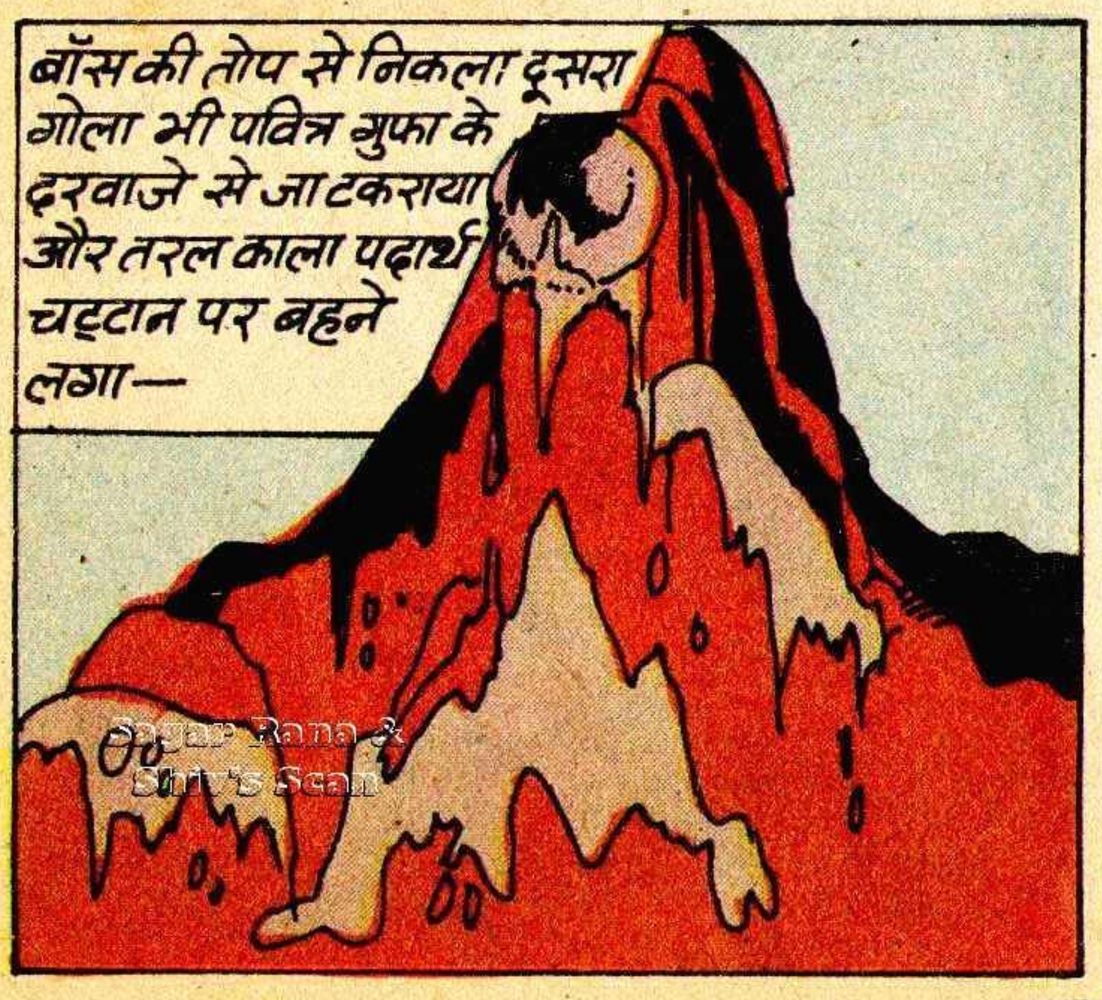

पलक झपकते विभिन्न रंगों का धुआं रस्सी की तरह गोल-गोल बनने लगा. देखते ही देखते वह चक्र में परिवर्तित हो गया. उससे किरणें फूटने लगीं—

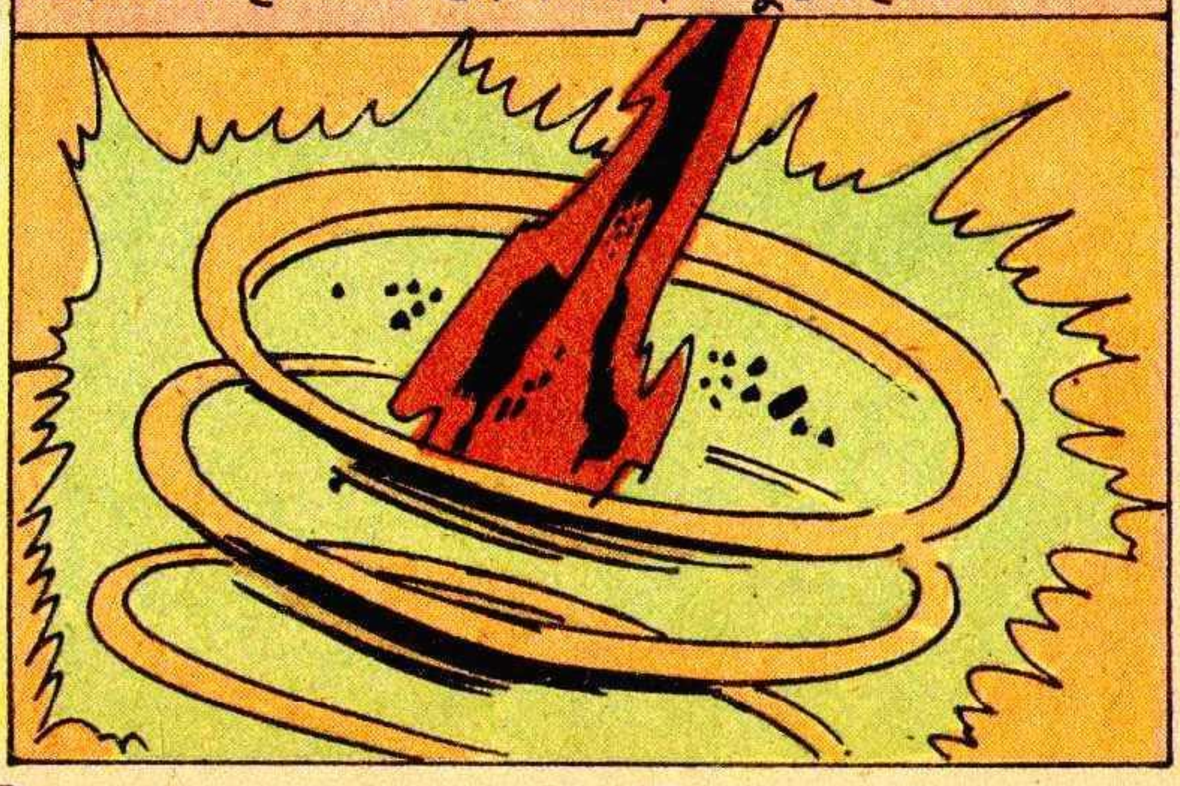

Sagar Rana & Shiv's Scan

Sagar Rana & Shiv's Scan

Sagar Rana & Shiv's Scan

Sagar Rana & Shiv's Scan

अभी वह बीहड़ में कुछ ही आगे गया था कि चेतक अपनी पिछली टांगों पर हिनहिनाते हुए खड़ा हो गया—

दोस्त, क्या कहा आगे खतरा है!

शाका चेतक पर सवार दूर-दूर तक देखने लगा. उसने आगे कहा—

दोस्त मुझे दूर-दूर तक भी खतरा नजर नहीं आ रहा है!

शाका ने उसका कहा नहीं माना. उसने उसे आगे बढ़ने का आदेश दे दिया—

आज जो भी सामने आएगा उसे मिटा दूंगा.

सुप्रीम तेजी से सोच रहा था. उसने काफी गम्भीरता से विचार किया और अपने कक्ष से तेजी से बाहर निकला.

यस... दिन की रोशनी में भी मेरे आदमी डंके की चोट पर ऐसा कर सकते हैं!

सुप्रीम उस कक्ष में पहुंचा जिसमें उसके गिरोह के आदमी आराम कर रहे थे. सामने पड़ते ही सारे लोग सिर झुकाकर खड़े हो गए. सुप्रीम ने कोड़ भाषा में सभी को समझाया और अन्त में कहा—

ओ॰के॰ सुप्रीम, हम किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेंगे!

तुम लोग तैयार हो जाओ और जैसा कहा है- वैसा ही करो. वह यही समझेगा कि उसके ही आदमियों ने उसे मार डाला है. आ... हा... हा... हा...!

Sagar Rana & Shiv's Scan

गिरोह के सारे सदस्यों ने कोसिमा के मूल निवासियों का भेष बदला और उन्हीं की तरह के हथियार लेकर निकल पड़े-

चलो, जल्दी चलो... वह अपनी गुफा से कभी भी निकल सकता है!

वह सारे लोग एक निश्चित दिशा में छुप-छुपकर भागने लगे. एक ने कहा—

हमें उस रास्ते पर जल्दी पहुंचना चाहिए जहां से शाका निकला करता है.

यकायक कोसिमा वासी बने गिरोह के लोगों के कानों में घोड़े के टापों की आवाज पड़ी, तो सभी चौंक गए और एक निश्चित दिशा में देखने लगे—

यह घोड़े के टापों की आवाज तो चेतक की लगती है. इस रफ्तार से तो वही भाग सकता है!

यह बात सच निकली. दूर से चेतक पर सवार आते शाका को देखकर उन सभी की भृकुटियां खिंच गईं, चेहरों पर क्रोध भभकने लगा—

चलो... आगे बढ़ो... घेरा डालकर खड़े हो जाओ. और जैसे ही वह...

...करीब पहुंचे गोलियों से भून दो!

शाका सावधान हो गया था. वह धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगा. अभी वह कुछ ही आगे गया था कि उस पर दस गोलियां एक साथ दागी गईं. शाका उछलकर एक ओर को कूद गया—

एक बार फिर चेतक ने आगे बढ़ने से इंकार कर दिया. वह सामने की टांगे उठाकर खड़ा हो गया. शाका दूर-दूर तक फिर देखने लगा. यकायक वह चौंक गया—

शाबाश! चेतक वाकई यहां खतरा है. लेकिन आज जो भी सामने आएगा बचेगा नहीं!

धांय!

धांय

धांय

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

Sagar ... Shiv's Scan

शाका पर जैसे ही गोलियां छूटीं वह एक ओर को उछल पड़ा—
धांय!
और फिर शाका ने बॉस को फिर गोली चलाने का मौका नहीं दिया. वह उससे वज्र की तरह टकरा गया.
बॉस के गिरते ही शाका ने जैसे ही उसकी खोपड़ी पर घूंसा मारा हड्डियों का सिर टूटकर अलग हो गया. वह बॉस का सिर हाथ में लेकर देखता रह गया.
कमाल है!
सुप्रीम ने जैसे ही बॉस की दुर्दशा देखी वह भाग खड़ा हुआ—
ओह गॉड!
लेकिन शाका कब मानने वाला था. देखते ही वह दौड़ा और कुछ ही फासले पर उसने उसे पीछे से टक्कर दी. वह टक्कर खाकर आगे की ओर गिरा—
ठक!
आह!
जैसे ही शाका ने उसके चेहरे पर घुटना रखा और गिरेबान पकड़कर उठाया चौंक गया—
ओह! ये तो...!
शाका अपने प्यारे दोस्त चेतक पर सवार होकर वापस हुआ. अपनी पवित्र गुफा के विशेष कक्ष में पहुंचकर उसने ट्रांसमीटर पर संपर्क साधा और जंगल गश्ती दल मुख्यालय से संपर्क साधकर पुलिस चीफ को उसने पूरी रिपोर्ट दी. अन्त में बोला—
आप यहां आ जाएं और अपने शहरी अपराधियों को ले जायें.
ओ. के. महाबली शाका हम पहुंच रहे
बाद में... पुलिस चीफ अपने दल बल सहित पहुंचा. महाबली शाका ने मृत अपराधियों के दल को सौंपते हुए वह छोटी तोप अपने पास रखने और उसका निरीक्षण करने की अनुमति मांगी जिसने वहां के निवासियों के दिलों में शाका के विरुद्ध शक पैदा कर दिया था. शाका पुलिस चीफ को विदा करने के बाद छोटी तोप लेकर वापस अपनी गुफा में पहुंचा और उसका निरीक्षण करने में लग गया
कथानक - सागर चाचा.
—समाप्त—